>

Title : Need to make arrangements for release of Indian labours from Libya.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): महोदय, मुझे यहां से बोलने की अनुमति दी जाये। जीवन-मृत्यु से जूझ रहे हमारे क्षेत्र के 222 भारतीय नागरिकों के हजारों किलोमीटर दूर लीबिया में फंसे होने का मामला मैं सदन और सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं। चार महीने हो गये हैं, जब मैं क्षेत्र में जाता हूं तो देखता हूं कि उनके माता-पिता और बच्चे परेशान हैं। चूंकि वे भोजपुरी भाषा क्षेत्र के हैं और भोजपुरी में बोलने की यहां अनुमति नहीं है क्योंकि आज तक दुर्भाग्य से वह सूचीबद्ध नहीं हुई है, नहीं तो उनकी पीड़ा को मैं भोजपुरी में जरूर कहता।

महोदय, आज से चार महीने पहले सूफी ट्रैवल्स, बम्बई के माध्यम से आवर अलकरात जनरल कंट्रक्शन कंपनी पाकिस्तान- देवरिया, जनपद कुशीनगर, जनपद महाराजगंज, जनपद गोरखपुर जो यू.पी., बिहार का बार्डर और बहुत ही गरीब इलाका है। वहाँ के 35 वर्ष के, 30 वर्ष के और 28 वर्ष के नौजवान लीबिया में जाते हैं और यह कंपनी चार महीने से उनको तनख्वाह नहीं दे रही है, जबर्दस्ती काम करा रही है, यहाँ तक कि वे फोन से बता रहे हैं कि उनको चार महीने हो गए लेकिन आज तक वे दंतमंजन भी नहीं कर पा रहे हैं। उनको भोजन के रूप में केवल भात और चोखा दिया जा रहा है। उनको नहाने तक के लिए भी पानी नहीं दिया गया। जब उनके कुछ लोग वहाँ अपने आयोग से मिलने गए तो आयोग भी वहाँ ठीक साबित नहीं हुआ। मैं कहना चाहता हूँ कि 220 भारतीय नागरिक लीबिया में फँसे हुए हैं और सारे पत्र व्यवहार करने के बाद भी आज तक सरकार उनको नहीं छुड़ा पा रही है, और अब तो लीबिया में एक दूसरा संकट भी परसों से आया है जिससे हज़ारों भारतीय नागरिक लीबिया में फँसे हुए हैं। चार महीने से हमारे क्षेत्र के 222 गरीब, जो वहाँ मज़दूरी करने गए हैं, खाने के बिना मर रहे हैं, कपड़े के बिना मर रहे हैं, मैं उनके लिए सरकार से मांग करता हूँ कि जल्दी से जल्दी सरकार उन मज़दूरों को वहाँ से छुड़ाकर गुलामी से निजात दिलाए और भारत लाए। ...(व्यवधान)